डेरी विकास विभाग,– उत्तराखण्ड

विभाग द्वारा प्रस्तावित (वर्ष 2024–25) प्रत्येक योजना के सम्बन्ध में सूचना

(धनराशि हजार ₹ में)

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		01.4.2023 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31.03.2024 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	आउटकम हेतु सम्भावित समयावधि
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	निदेशन एवं प्रशासन	कार्मिकों के वेतन, भत्ते तथा कार्यालय संचालन हेतु सहायता	155070	–	159 विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान किया गया।	164 विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान किया जायेगा।	26 नये कर्मिकों की नियुक्ति/ पदोन्नति की जायेगी।	विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों की कार्य क्षमता में वृद्धि होगी।	01 वर्ष
राज्य योजना (चालू योजना)									
1.	डेरी विकास योजना	दुग्ध संघों में अवस्थापना विकास तथा अन्य आवर्ती व्यय में सहायता प्रदान करना।	62000	–	1. 1450 समिति सचिवो को प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया गया। 2. दुग्ध संघों के अन्तर्गत नियुक्त 30 ग्रुप सचिवों को मानदेय का भुगतान किया गया। 3 दुग्ध उपार्जन पर हो रहे यातायात व्यय से 26000 सदस्य लाभान्वित। 4. सेन्ट्रल डेरी लैब का सुदृढ़ीकरण एवं कार्य संचालन किया गया।	1 1450 समिति सचिवो को प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जायेगा। 2 दुग्ध संघों के अन्तर्गत नियुक्त 30 ग्रुप सचिवों को मानदेय का भुगतान किया जायेगा। 3 दुग्ध उपार्जन पर हो रहे यातायात व्यय से 27000 सदस्य लाभान्वित होगें। 4. 250 दुग्ध उत्पादकों व 60 विभागीय कार्मिकों का प्रशिक्षण। 5. सेन्ट्रल डेरी लैब का सुदृढ़ीकरण एवं कार्य संचालन किया जायेगा।	1. 1600 समिति सचिवो को प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जायेगा। 2. दुग्ध संघों के अन्तर्गत नियुक्त 44 ग्रुप सचिवों को मानदेय का भुगतान किया जायेगा। 3 दुग्ध उपार्जन पर हो रहे यातायात व्यय से 27000 सदस्य लाभान्वित होगें। 4. 500 दुग्ध उत्पादकों व 50 विभागीय कार्मिकों का प्रशिक्षण।	1. दुग्ध उपार्जन में वृद्धि। 2. दुग्ध संघों में नियुक्त ग्रुप सचिवों के रूप में रोजगार का सृजन। 3. पर्वतीय क्षेत्रों में सुदूरवर्ती ग्रामों में दुग्ध समितियां स्थापित कर रोजगार सृजित होगा।	01 वर्ष
2.	महिला डेरी विकास योजना	महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान करते हुए विकास की मुख्य धारा में जोड़ना।	50000	–	1. ग्राम स्तर पर 31 महिला दुग्ध समितियों का गठन किया गया। 2. 930 महिला दुग्ध उत्पादकों को समितियों से जोड़ा गया। 3. 31 महिलाओं को ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराया गया। 4. 637 महिला सदस्यों का प्रशिक्षण कराया गया।	1. ग्राम स्तर पर 35 महिला दुग्ध समितियों का गठन किया जायेगा। 2. 700 महिला दुग्ध उत्पादकों को समितियों से जोड़ा जायेगा। 3. 35 महिलाओं को ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध होगा। 4. 752 महिला सदस्यों का प्रशिक्षण कराया जायेगा।	1. ग्राम स्तर पर 35 महिला दुग्ध समितियों का गठन किया जायेगा। 2. 700 महिला दुग्ध उत्पादकों को समितियों से जोड़ा जायेगा। 3. 35 महिलाओं को ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध होगा। 4. 752 महिला सदस्यों का प्रशिक्षण कराया जायेगा।	1. महिलाओं को आय के साधन सुलभ होने से उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। 2.महिलाओं में नेतृत्व, आत्मविश्वास एवं आत्म निर्णय की भावना जागृत होगी।	
3.	सहकारी डेरी प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना	राज्य के परिप्रेक्ष्य में दुग्ध उत्पादकों को पशुपालन एवं	1500	–	1. जनपद नैनीताल में स्थापित सहकारी प्रशिक्षण संस्थान में पुस्तकालय तथा	–	प्रशिक्षण संस्थान में आवश्यक अवस्थापनाओं का	1. दुग्ध उत्पादक राज्य की जलवायु के अनुसार पशुपालन एव दुग्ध	01 वर्ष

		दुग्ध उत्पादन से सम्बन्धित जानकारियां उपलब्ध कराना।			ट्रेनिंग हॉल से संबंधित कार्य किया गया।		विकास किया जायेगा।	उत्पादन में प्रशिक्षत होगें। 2. परीक्षण उपरान्त दुग्ध उत्पादकों को हो रही व्यवहारिक कठिनाईयों का समाधान हो सकेगा।	
4.	दुग्धशाला का सुदृढ़ीकरण	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दुग्धशालाओं का सुदृढ़ीकरण, आधुनिकीकरण एवं क्षमता विस्तार करना।	10000	–	दुग्ध संघ नैनीताल, उधमसिंहनगर तथा देहरादून में टेंकर वेईंग ब्रिज की स्थापना का कार्य किया गया।	दुग्ध संघ देहरादून, उत्तरकाशी की दुग्धशालाओं में मरम्मत सम्बन्धी कार्य एवं दुग्धशाला संयत्रों के रख रखाव हेतु कार्य किये जायेगें।	1 दुग्ध संघों के अंतर्गत मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पादों के निर्माण, भण्डारण तथा विपणन हेतु आवश्यक अवस्थापना का विकास किया जाएगा।	दुग्ध संघों में मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पादों के निमार्ण तथा विपणन से दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी।	01 वर्ष
5.	दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन	ग्राम स्तर पर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु दुग्ध उत्पादकों को उनके द्वारा दुग्ध समिति में उपलब्ध कराये जा रहे दूध के आधार पर प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जाना।	320000	–	52367 दुग्ध उत्पादक सदस्यों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि प्रदान की गयी।	53,000 दुग्ध उत्पादक सदस्यों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी।	53 हजार दुग्ध उत्पादक सदस्यों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी।	1 दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि तथा अधिक से अधिक दुग्ध उत्पादक दुग्ध समितियों से जुड़ने हेतु प्रोत्साहित होगें।	01 वर्ष
6.	गंगा गाय महिला डेरी विकास योजना	ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक उन्नयन करना।	50000	–	02, 03 एवं 05 दुधारू पशुओं की 607 यूनिट की स्थापना की गयी ।	02, 03 एवं 05 दुधारू पशुओं की 245 यूनिट की स्थापना की जा रही है ।	दुग्ध सहकारी समितियों की 455 महिला/सामान्य सदस्यों को 1000 उच्च नस्ल दुधारू पशु उपलब्ध कराते हुए रोजगार सृजन किया जायेगा।	1. ग्रामीण महिलायें/दुग्ध उत्पादक आर्थिक रूप से स्वावलम्बी होगें। 2. दुग्ध समितियों के अन्तर्गत उपार्जन में वृद्धि होगी।	01 वर्ष

7.	साईलेज एवं दुधारू पशु पोषण योजना	दुग्ध सहकारी समिति के सदस्यों तथा अन्य पशु पालकों द्वारा पाले जा रहे दुधारू पशुओं हेतु हरे चारे की वर्ष भर व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए उनको उचित पोषण उपलब्ध कराना।	400000	–	दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों के दुधारू पशु को 1722 मै0 टन साईलेज, 472 कु0 मिनिरल मिक्सचर, 4200 कि0ग्रा0 प्रोबाइटिक्स एवं 1324 टन काम्पेक्ट फीड ब्लाक 50/75 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया गया साथ ही 13257 मै0टन0 पशुआहार पर रू0 04.00 व रू0 06.00 प्रतिकिग्रा0 अनुदान उपलब्ध कराया गया।	दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों के दुधारू पशु को 2980 मै0 टन साईलेज 75 प्रतिशत अनुदान पर तथा 415 कु0 मिनिरल मिक्सचर, 3500 कि0ग्रा0 प्रोबाइटिक्स एवं 1788 टन काम्पेक्ट फीड ब्लाक 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया जायेया साथ ही 14040 मै0टन0 पशुआहार पर रू0 04.00 व रू0 06.00 प्रतिकिग्रा0 अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा।	दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों तथा अन्य पशुपालकों के दुधारू पशु को कुल 4445 मै0 टन साईलेज 75 प्रतिशत अनुदान पर, 41.53 टन मिनिरल मिक्सचर, 3.5 टन कि0ग्रा0 प्रोबाइटिक्स एवं 3080 टन काम्पेक्ट फीड ब्लाक 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया जायेगा साथ ही 19000 मै0टन0 पशुआहार रू0 04.00 व रू0 06.00 प्रतिकिग्रा0 अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा।	दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के साथ उनकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ेगी।	01 वर्ष
8.	पशुचारा परिवहन अनुदान योजना	ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों द्वारा उपयोग किये जा रहे पशुचारे में परिवहन व्यय के कारण होने वाली मूल्य वृद्धि को नियंत्रित कर संतुलित पशुचारे एवं साईलेज की मांग को बढ़ाना।	30000	–	दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों के दुधारू पशु को 1734 मै0 टन साईलेज, 1615 टन काम्पेक्ट फीड ब्लाक एवं 14032 मै0टन0 पशुआहार के परिवहन व्यय का भुगतान किया गया।	दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों के दुधारू पशु को 3236 मै0 टन साईलेज, 1959 टन काम्पेक्ट फीड ब्लाक एवं 15308 मै0टन0 पशुआहार के परिवहन व्यय का भुगतान किया जायेगा।	दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों के दुधारू पशु को 4445 मै0 टन साईलेज, 3080 टन काम्पेक्ट फीड ब्लाक एवं 19000 मै0टन0 पशुआहार के परिवहन व्यय का भुगतान किया जायेगा।	दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के साथ उनकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ेगी।	01 वर्ष
9.	नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित (RIDF) योजना	राज्य में गठित दुग्ध संघों एवं उनके दुग्ध अवशीतन केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण तथा नये दुग्ध अवशीतन केन्द्रों की स्थापना	–	400000	दुग्ध अवशीतन केन्द्रों का निमार्ण तथा दुग्ध संघों की क्षमता में विस्तार किया गया।	दुग्ध अवशीतन केन्द्रों तथा दुग्ध संघों की क्षमता में विस्तार किया जायेगा।	नैनीताल दुग्ध संघ की दुग्धशाला का निमार्ण, जनपद नैनीताल एवं ऊधमसिंहनगर में भूषा गोदाम एवं	दुग्ध संघों व दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी।	01 वर्ष

							दुग्ध कक्षों का निर्माण एवं विभिन्न दुग्ध संघों की क्षमता में विस्तार किया जायेगा।		
10.	डेरी विकास विभाग, निदेशालय निर्माण कार्य	निदेशक डेरी विकास विभाग का अपना कोई कार्यालय भवन उपलब्ध नही है, कार्यालय भवन की स्थापना	–	10000	–	निदेशालय भवन निर्माण का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।	निदेशालय भवन निर्माण का कार्य किया जायेगा।	–	02 वर्ष
11	केन्द्रीय योजनाओं में राज्य का अंश (C.S.S.)	भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय डेरी विकास योजना की राज्यांश की व्यवस्था की जाती है।	200000	–	–	राष्ट्रीय डेरी विकास योजना के अन्तर्गत दुग्ध संघों में प्रयोगशाला निर्माण तथा उच्चीकरण का कार्य किया जाएगा।	राष्ट्रीय डेरी विकास योजना के अन्तर्गत विभिन्न चारा विकास कार्यक्रम संचालित किए जाऐंगे।	दुग्ध संघों व दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी।	01 वर्ष
12	चारा बीज वितरण		30000	–			मक्खन घास 8000 किग्रा0, ओटस घास 60000किग्रा0, बरसीम घास 100000 किग्रा0 वितरित किया जायेगा।	हरे चारे की उपलब्धता होने से दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी।	01 वर्ष